BUSINESS STANDARD HINDI, Delhi, 5.6.2024
Page No. 6, Size:(9.30)cms X (22.15)cms.

पीएसयू व अदाणी के शेयरों पर चोट

खुशबू तिवारी
मुंबई, 4 जून

निफ्टी पीएसई इंडेक्स ने 16.4 फीसदी का लगाया गोता लगाया, अदाणी समूह के मार्केट कैप में 3.6 लाख करोड़ रुपये की गिरावट

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसई) और अदाणी समूह के शेयरों पर मंगलवार को सबसे भारी चोट पड़ी। इसकी वजह चुनाव नतीजे के रुझान रहे जिनसे साफ हो गया कि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने बूते बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही है। निफ्टी पीएसई इंडेक्स ने 16.4 फीसदी का गोता लगाया और इस तरह से सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10.8 लाख करोड़ रुपये घट गया। उधर, अदाणी समूह की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 3.6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आई । एक दिन पहले एक्जिट पोल के संकेतों के बाद पीएसयू और अदाणी समूह के शेयर सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वालों में शामिल थे। एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को दो तिहाई बहुमत मिल जाएगा।

अदाणी पोर्ट्स ऐंड एसईजेड के शेयर में 21 फीसदी की गिरावट आई जबकि मुख्य कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 19 फीसदी फिसला। अदाणी एनर्जी सॉल्युशंस और अदाणी विल्मर के शेयरों में भी क्रमशः 20 फीसदी व 10 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। गौतम अदाणी की अगुआई वाले समूह का बाजार पूंजीकरण 19 फीसदी की गिरावट के साथ 15.8 लाख करोड़ रुपये रह गया।

हालांकि भाजपा की अगुआई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत मिल गया है, लेकिन एक्जिट पोल के अनुमानों और वास्तविक नतीजों में भारी अंतर ने बाजार के प्रतिभागियों को हक्का बक्का कर दिया।

इस बीच, पीएसयू दिग्गजों भारतीय जीवन बीमा कंपनी (एलआईसी), गेल इंडिया, ऑयल इंडिया और ओएनजीसी ने दो अंकों में गिरावट दर्ज की। आरईसी और पावर फाइनैंस कॉरपोरेशन के शेयरों में भी क्रमशः 25 फीसदी और 23 फीसदी की गिरावट आई और ये सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयर रहे।

यह गिरावट इस साल सूचकांक में अच्छी तेजी के बाद देखने को मिली है। मंगलवार के नुकसान से पहले सूचकांक करीब 40 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज कर चुका था। बाजार के प्रतिभागियों ने कहा कि बिकवाली इस वजह से हुई कि केंद्र की गठबंधन सरकार कल्याणकारी योजनाओं पर और ज्यादा ध्यान दे सकती हैं और विनिवेश के लक्ष्य पर असर पड़ सकता है।

एमके ने चुनाव नतीजों के बाद जारी इंडिया स्ट्रैटिजी रिपोर्ट में कहा कि हमें लगता है कि अल्पावधि में बाजार की दोबारा रेटिंग होगी क्योंकि भारत पर जोखिम बढ़ गया है।

NAVODYA TIMES, Delhi, 5.6.2024
Page No. 15, Size:(30.94)cms X (21.88)cms.

चुनाव नतीजों के दिन एस.बी.आई.-गेल समेत दिग्गज शेयरों में आई 28 प्रतिशत तक की गिरावट

मुम्बई, 4 जून (एजेंसी): भारतीय शेयर बाजार (स्टॉक मार्केट) में मंगलवार को लोकसभा चुनाव 2024 के रुझानों के बाद क्रैश हो गई। बैंचमार्क इंडैक्स सैंसेक्स और निफ्टी दोनों ही धड़ाम हो गए। इस गिरावट की चपेट में कई बड़ी कंपनियां भी आईं, जिनके शेयरों में 20 से 28 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

आज भेल में 28 प्रतिसत तक की गिरावट देखने को मिली है। शेयर की कीमत नीचे में 224 रुपए तक चली गई। इसके अलावा सरकारी सैक्टर की दिग्गज कंपनी गेल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

चुनाव नतीजों के दिन गेल के शेयर 25 प्रतिशत तक लुढ़ककर 173 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गए। इसी तरह कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकोर) के शेयर भी 25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 880 रुपए पर आ गए।

बैंकिंग सैक्टर भी धड़ाम

बैंकिंग सैक्टर में भी भारी गिरावट का रुख देखने को मिला। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) के शेयर करीब 20 प्रतिशत लुढ़ककर 734.2 रुपए पर पहुंच गए।

वहीं, केनरा बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पी.एन.बी.), सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया समेत अन्य सरकारी बैंकों के शेयरों में भी 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। केनरा, पी.एन.बी. और सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयर प्राइस क्रमश: 99 रुपए, 106 रुपए और 57.8 रुपए पर आ गए।

अन्य कंपनियों का हाल

दूसरे सैक्टर की कंपनियों के शेयर भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। हाऊसिंग एंड अर्बन डिवैलपमैंट कॉर्पोरेशन (हुडको) के शेयर प्राइस 20 प्रतिशत गिरकर 229 रुपए पर आ गए। वहीं, डिफैंस सैक्टर की कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एम.डी.एल.) और टिटागढ़ वैगन इंडस्ट्रीज के शेयर भी 20 प्रतिशत तक लुढ़क गए।

इन कंपनियों के शेयर प्राइस क्रमश: 2,605 और 1195 रुपए पर आ गए हैं। रेलवे से जुड़ी कंपनियों रेलटेल कॉर्पोरेशन

के शेयर भी 20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 343.9 पर आ गए।

अडानी ग्रुप के निवेशकों ने गंवाए 3.63 लाख करोड़ रुपए

लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन शेयर मार्कीट में आई ऐतिहासिक गिरावट ने लगभग सभी निवेशकों को नुकसान पहुंचाया है। देश के दो दिग्गज कारोबारी समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी ग्रुप के निवेशकों का भी काफी पैसा इस दौरान डूबा है।

अडानी ग्रुप का मार्कीट कैप जहां 3.63 लाख करोड़ रुपए कम हुआ। वहीं रिलायंस ग्रुप का मार्कीट कैप भी लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपए नीचे गया है।

बी.एस.ई. पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लगभग 8 फीसदी नीचे गए हैं। इसके चलते उसका मार्कीट कैप घटकर 19.06 लाख करोड़ रुपए रह गया है।

मंगलवार को आई चौतरफा गिरावट के बाद गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप का मार्कीट कैप 15.78 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

करीब 691 शेयरों में लगा लोअर सर्किट, 292 शेयरों ने छुआ 52-हफ्तों का सबसे निचला स्तर

लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की अगुआई वाले एन.डी.ए. गठबंधन को उम्मीद से कम सीटें मिलने के बाद आज 4 जून को शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। हालांकि कम सीटों के बावजूद केंद्र में लगातार तीसरी एन.डी.ए. सरकार बनते ही दिख रही है और इस अहसास के बाद शेयर बाजार के निचले स्तर से कुछ सुधार हुआ।

आज कुल 691 शेयरों ने लोअर सर्किट और 117 शेयरों ने अपर सर्किट को छुआ। वहीं 292 शेयर लुढ़ककर अपने 52-हफ्तों के निचले स्तर पर पहुंच गए, जबकि 139 शेयरों ने अपना 52-सप्ताह का उच्च स्तर को छुआ।

आज की गिरावट ने पूरे शेयर बाजार को अपने गिरफ्त में ले लिया था। बी.एस.ई. पर आज महज 498 शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए, जबकि इसके मुकाबले 3,339 शेयरों में गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में यह गिरावट इतनी तेज इसलिए रही क्योंकि 1 जून को आए एग्जिट पोल में एन.डी.ए. को प्रचंड बहुमत के साथ जीतते हुए दिखाया गया था।

इस एग्जिट पोल्स के बाद शेयर बाजार में एक दिन पहले जबरदस्त तेजी आई है। ऐसे में आज जब नतीजे उलट आए, तो निवेशकों में घबराहट फैल गई। गिरावट इतनी ज्यादा थी कि बी.एस.ई. सैंसेक्स दिन के अंत में कुछ सुधार दिखाने से पहले इंट्राडे में 200-दिनों के ई.एम.ए. (एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज) से नीचे चला गया।